हिंदी दिवस

यवतमाल जिला विकास समिति यवतमाल द्वारा संचालित स्थानिय श्रीमती नानकीबाई वाधवानी कला महाविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में वाधवानी कॉलेज में १५ सितंबर, २०२६ को "आर्टिफिषियल इंटेलिजेंस का उपयोग हिंदी में कितना और कैसे करे" का कार्यक्रम हुआ। यह कार्यक्रम, प्रा. डॉ सुरेखा मंत्री ने आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में प्राचार्य श्रीमान जयंतजी चतुर उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रा. डॉ. सुरेखा मंत्री ने की। उन्होंने कहा- १४ सितंबर पूरा भारतवर्ष हिंदी दिवस के रूप में मनाता है। इस दिन कि प्रासंगिकता वर्तमान समय में हिंदी के प्रति लोगों का व्यवहार बोलचाल की भाषा, कामकाज की भाषा में अधिक से अधिक प्रयोग हो और हम हिंदी को राजभाषा के रूप में स्थापित करने और गौरव दिलाने के लिए हर साल १४ सितंबर को हिंदी दिवस के रू८ में मनाया जाता है। हिंदी का गौरवशाली इतिहास रहा है। आज कृत्रिम बुध्दिमत्ता केवल वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं या बडी प्रौद्योगिक कंपनियों तक सीमित विषय नही रह गई है।

प्रमुख अतिथि के रूप में श्रीमती मंगलाजी मालवे उपस्थित थे। उन्हों ने कहा कि मोबाईल पर बोलकर प्रश्न पूछने,किसी दूसरी भाषा के पाठ का तत्काल अनुवाद करने आवाज को लिखित शब्दों में बदलने की सुविधाएँ सामान्य जीवन का हिस्सा बनती जा रही है। ऐसे समय में हिंदी के सामने एक ऐतिहासिक अवसर उपस्थित हुआ है कि कृत्रिम बुध्दिमत्ता हिंदी को प्रभावित करेगी या नही।पर अब वह क्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस लिए हम सभी मिलकर के हिंदी के गौरवशाली अतीत को वर्तमान के सामर्थ्य के साथ वर्तमान की चुनौतियों के साथ सामंजस्य स्थापित करे। आदि...

इस मौके पर डॉ. निलेश औतकर,ने कहा कृत्रिम बुध्दिमत्ता एक ऐसी आधुनिक तकनीकीदहै जो कंप्यूटर ओर मशीनों को इंसानों की तरह सोचने, समझने और फैसले लेने की क्षामता देती है।यह मशीनों को स्मार्ट बनाने की कला ह ैताकि जटिल समस्याओं को हल कर सके।

प्रा. डॉ. संजय जी राचलवार प्रा. डॉ. दिगांबर वानखडे ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दी। प्रा. डॉ. सिध्दार्थ जी जाधव ने अनेको बधाई दी। सभी ने अपना मंतव्य व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम का सूत्र संचालन और आभार कु. दिक्षा सरदार ने किया। इस कार्यक्रम में सभी अध्यापकों ने अपनी उपस्थिति दर्शाई। सभी ने एक-दूजे को बधाई दी।



सौ. मंगलाजी मालवे का स्वागत सत्कार करते हुए।



समूह फोटो



मंगलाजी का मंतव्य करते हुए।

पुण्य नगरी

City Pulse

वाधवानी महाविद्यालयात 'हिंदी दिवस' उत्साहात



यवतमाळ : यवतमाळ जिल्हा विकास समितीद्वारे संचालित श्रीमती नानकीबाई वाधवानी कला महाविद्यालयात हिंदी विभागाच्या वतीने १५ सप्टेंबर रोजी 'हिंदी दिवस' उत्साहात साजरा करण्यात आला. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. जयंत चतुर यांची उपस्थिती होती. प्रास्ताविक डॉ. सुरेखा मंत्री यांनी केले. त्यांनी १४ सप्टेंबर या दिवसाचे महत्त्व विशद केले. हिंदी भाषेचा सन्मान करण्यासाठी आणि तिला भारताच्या अधिकृत भाषांपैकी एक म्हणून घोषित केल्याच्या स्मरणार्थ दरवर्षी हा दिवस साजरा केला जात असल्याचे सांगितले. प्रमुख अतिथी आकाशवाणी यवतमाळ येथील प्रसार माध्यम तज्ज्ञ मंगला मालवे यांनी 'आर्टिफिशियल इंटेलिजन्सचा उपयोग हिंदीत कसा आणि कितीत करावा' या विषयावर मार्गदर्शन केले. एआय हे आधुनिक युगातील अत्यंत प्रभावी तंत्रज्ञान असून शिक्षण, आरोग्य आणि शेती यांसारख्या क्षेत्रांत ते कठीण विषय सोपे करते, असे प्रतिपादन त्यांनी केले. डॉ. नीलेश औतकर यांनी आपली संस्कृती आणि आदर्शांची आठवण ठेवण्याचे आवाहन केले. संचालन व आभार दीक्षा सरदार यांनी केले. या कार्यक्रमाला महाविद्यालयातील सर्व शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी आणि विद्यार्थी उपस्थित होते.